सारांश

मछुआरा मंगल उस दिन बीमार था सो उसका बेटा सूरज मछली पकड़ने गया था। नदी का रूप बिगड़ा हुआ था। लहरों ने उसकी नाव पलट दी। सूरज डूबने लगा। उसे एक डॉल्फिन ने नदी किनारे धकेल कर डूबने से बचाया। गंगू डॉल्फिन और सूरज दोस्त बन गये। गंगू डॉल्फिन ने सूरज को बताया कि वे मछली जैसे दिखते हैं पर मछली हैं नहीं। वे मनुष्य की ही भाँति स्तनपायी जीव हैं। वे मछलियों को उनकी आवाज के सहारे पकड़ कर खाते हैं। वे नदियों व समुद्र में रहते हैं। उनको मनुष्यों से और प्रदूषण से खतरा है। उसका पिता भी एक मछुआरे की जाल में फँसकर मारा गया था।